छिंदवाड़ा | शुक्रवार | 11 सितंबर 2026 | वर्ष 26 | अंक 158 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नवभारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

ब्रिक्स समिट में शामिल होने 7 साल बाद भारत आएंगे शी जिनपिंग

चीनी मिठास का दिल्ली में टेस्ट

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 10 सितंबर. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 7 साल बाद 12 सितंबर को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं. इस बात की पुष्टि चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा की गई. मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को एक पोस्ट के जरिए जानकारी साझा करते हुए बताया गया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति जिनपिंग 12 से 13 सितंबर तक भारत में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे.

जिनपिंग के दौरे को भारत और चीन के बीच हाल के महीनों में सुधर रहे संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है. 2020 में गलवान घाटी में हुई जानलेवा झड़प के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली आमने-सामने की द्विपक्षीय बातचीत होगी.

कई मायनों में चीन के राष्ट्रपति का दौरा अहम

जिनपिंग का भारत दौरा ऐसे समय हो रहा है जब दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण रहे संबंधों को स्थिर करने की कोशिशें चल रही हैं. सीमा विवाद के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं. ऐसे में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात को द्विपक्षीय संबंधों में आगे की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

अमेरिका को बड़ा संकेत

हाल के समय में भारत और चीन के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए कई स्तरों पर बातचीत हुई है. सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच मुलाकात पर दुनिया की नजर रहेगी. वहीं यह मुलाकात खासकर अमेरिका के लिए एक कूटनीतिक संदेश भी मानी जाएगी, जिसके जरिए यह बतलाने का प्रयास होगा कि भारत तनाव के बीच भी बेहतर रिश्ते बनाने में भरोसा रखता है.

एससीओ में मिले अब बैठक

इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने हाल ही में किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन समिट में एक साथ मंच साझा किया था, जहां उन्होंने हाथ तो मिलाया लेकिन कोई औपचारिक द्विपक्षीय बैठक नहीं की. बता दें कि नई दिल्ली में 11 से 13 सितंबर तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. इस सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के राष्ट्र प्रमुख पहुंच रहे हैं. जिनपिंग इससे पहले 2019 में भारत आए थे. उस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के मामल्लपुरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अनौपचारिक शिखर बैठक की थी. इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों और द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की थी.

आज पुतिन, पेजेश्कियल से मिलेंगे पीएम मोदी

समिट से ठीक पहले यानी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अहम द्विपक्षीय बैठक होगी. पुतिन कल ही दिल्ली पहुंचेंगे. इसी दिन ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन भी शुक्रवार को दिल्ली पहुंचेंगे और पीएम मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बात होगी. मोदी और पुतिन की बैठक अहम होगी क्योंकि भारत और रूस के रिश्ते एक तरफ लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी पर टिके हैं तो दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध और भारत-अमेरिका संबंधों के बदलते समीकरण ने इस रिश्ते के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं.

ब्रिक्स समिट में नहीं आएंगे तारिक रहमान

समिट में शामिल होने के लिए भारत सरकार ने बांग्लादेश पीएम तारिक रहमान को भी न्योता भेजा था, लेकिन रहमान इस समिट में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली नहीं आ रहे हैं. वे इस वर्ष दिसंबर तक भारत दौरे पर आ सकते हैं. दरअसल पहले रहमान अपने भारत दौरे पर होने वाले फैसलों को लेकर बातचीत सुनिश्चित करना चाहते हैं. ताकि जब वह वापस हों, तो बांग्लादेशी जनता को बताने के लिए उनके पास कुछ हो. मालूम हो कि बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्तापलट होने के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखने को मिला था.

होटल घोटाले में भी फंसा लालू परिवार

कोर्ट ने आईआरसीटीसी मामले में सात के खिलाफ केस की दी अनुमति

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 10 सितंबर. बिहार में लैंड फॉर जॉब मामले को लेकर कोर्ट के चक्कर लगा रहे पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार को अब आईआरसीटीसी होटल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत में पेश होना होगा.

दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 9 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई को मामले में आरोप तय कर केस चलाने की अनुमति दे दी है. कोर्ट ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और लारा प्रोजेक्ट्स समेत सात आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप तय करने का आदेश दिया है. साथ ही मामले में जांच को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताए जाने की दलील को भी खारिज किया है. कोर्ट के मुताबिक, लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते रेलवे अधिकारियों ने कथित तौर पर टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर किया था.

इसके जरिए रांची और पुरी के आईआरसीटीसी होटलों की लीज से जुड़े ठेकों को कथित तौर पर लाभ पहुंचाने की बात सामने आई है. अदालत ने कहा कि पटना में ट्रांसफर की गई जमीन अपराध से हुई आय है. ईडी का आरोप है कि आईआरसीटीसी होटल टेंडर से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के बदले जमीन का लेन-देन किया गया था.

3 अक्टूबर को पेशी

कोर्ट ने आरोप तय किए गए सभी आरोपियों को 3 अक्टूबर को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है. मामले में ईडी की जांच लंबे समय से चल रही है.

रेलमंत्री रहते आईआरसीटीसी होटल घोटाला

यह मामला लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान रांची और पुरी के आईआरसीटीसी होटलों के संचालन के ठेके से जुड़ा है. सीबीआई का आरोप है कि इन दोनों होटलों के रखरखाव और संचालन का ठेका निजी कंपनी सुजाता होटल्स को देने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताएं की गईं.

इन्हें कोर्ट ने किया बरी

मामले में कोर्ट ने गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया, राहुल यादव, विजय त्रिपाठी, देवकी नंदन तुलस्यान, राजीव कुमार रेलन और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को आरोपों से डिस्चार्ज कर दिया है. यानी इन आरोपियों के खिलाफ इस मामले में आगे कार्यवाही नहीं होगी.

आकाश को मायावती ने पार्टी से निकाला

यूपी चुनाव से पहले पार्टी में 'ससुर' पर संग्राम

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर कर दिया है. इससे पहले मायावती ने 3 सितंबर 2026 को आकाश को राष्ट्रीय संयोजक के पद से हटाया था. अब उन्होंने आकाश को बसपा की प्राथमिक सदस्यता और पार्टी से भी पूरी तरह मुक्त कर दिया है.

आकाश आनंद के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास का ऐलान किया है. इसे लेकर मायावती ने कहा कि उन्होंने अगर समय पर फैसला ले लिया होता तो आकाश के साथ ऐसा नहीं होता.

मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति छोड़ने का फैसला सही समय पर नहीं लिया. अगर वो ये कदम पहले उठा लेते, तो बसपा, बहुजन मूवमेंट और खुद आकाश आनंद को लगातार मुश्किल और विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता. मायावती ने आकाश आनंद के रुख पर अपनी नाराजगी जाहिर की. उन्होंने मुद्दा उठाया कि आकाश आनंद पहले हमेशा उनके एक्स पोस्ट को रिपोस्ट किया करते थे, लेकिन अशोक सिद्धार्थ से जुड़ी मायावती की पोस्ट को उन्होंने रिपोस्ट नहीं किया. मायावती के मुताबिक, ये इस बात का साफ संकेत है कि आकाश आनंद पार्टी से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों को तरजीह दे रहे हैं.

निहंग सिखों ने तलवार से जूसवाले का काटा हाथ

नई दिल्ली. सेंट्रल दिल्ली का अजमेरी गेट इलाका आज दोपहर खून से लाल हो गया। थाना कमला मार्केट के पास कुछ निहंग सिखों की गुंडागर्दी और दबंगई का खौफनाक चेहरा सामने आया है। एक मामूली बात पर हुए विवाद में निहंगों ने सरेआम तलवार निकालकर एक जूस बेचने वाले पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना खौफनाक था कि जूस वाले का हाथ कट गया और सड़क पर खून बिखर गया।घटना सेंट्रल दिल्ली के व्यस्तम इलाकों में से एक, अजमेरी गेट की है.

एक नजर में

भाटिया से जुड़े विवादित पोस्ट सीजेपी तत्काल हटाए

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया की दो करोड़ रुपये की मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेपी के सदस्यों सौरव दास और आशुतोष रांका को सोशल मीडिया से भाटिया से जुड़े सभी विवादित पोस्ट 24 घंटे में हटाने का आदेश दिया है.

एयरफोर्स जवान का ट्रैक पर मिला शव

लखनऊ. आगरा में रेलवे ट्रैक पर 35 साल के एयरफोर्स जवान का शव दो टुकड़ों में मिला. धड़ से गर्दन अलग थी. वारदात का पता उस वक्त चला, जब यात्रियों ने शव को ट्रैक पर देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी. गुरुवार सुबह 8 बजे पुलिस पहुंची तो जवान के मोबाइल पर लगातार पत्नी के फोन आ रहे थे. पुलिस ने फोन उठाकर पत्नी से कहा- आपके पति को चोट लगी है.

बम की फर्जी धमकी से विमान में मचा हड़कंप

अहमदाबाद. लखनऊ से सऊदी अरब के दमाम जा रही इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी मिलने के बाद गुरुवार शाम हड़कंप मच गया. धमकी मिलने के बाद विमान को तत्काल अहमदाबाद की ओर मोड़कर सुरक्षित उतारा गया. विमान में सवार सभी 133 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को बाहर निकालकर विमान की जांच की गई. तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है.

सर्जरी आईसीयू में महिला डॉक्टर से मारपीट

सुरक्षा की मांग पर जूनियर डॉक्टरों ने बंद किया काम

- रीवा मेडिकल कॉलेज में फिर नया बखेड़ा हुआ
- आधी रात से धरने पर बैठे जूडा; सेवाएं प्रभावित

नवभारत न्यूज

रीवा, 10 सितंबर. संजय गांधी मेडिकल अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं. सर्जरी विभाग के आईसीयू में भर्ती मरीज के परिजनों द्वारा ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक से मारपीट किए जाने के बाद आक्रोशित जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर दिया और अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए.

जानकारी के अनुसार सर्जरी वार्ड में भर्ती मरीज के चार परिजन कथित रूप से शराब के नशे में आईसीयू में पहुंचे और ड्यूटी कर रही महिला डॉक्टर से अभद्रता करते हुए मारपीट की. घटना के समय अस्पताल में सीनियर डॉक्टर और सीएमओ मौजूद नहीं थे. घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है.

मारपीट की घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टरों ने आधी रात से ही सेवाएं बंद कर दीं. डॉक्टरों का कहना है कि पूर्व में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हुआ.

धरने पर बैठे जूडा डॉक्टरों ने कहा कि वे दिन-रात मरीजों की सेवा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाएं हो रही हैं. उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सुरक्षा के बिना काम करना मुश्किल हो गया है.

गृह मंत्रालय की बैठक पर वांगचुक निराश

पदयात्रा टालने का आरोप | पुराने फैसले दोहराए गए : सोनम

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। गृह मंत्रालय के साथ नौ सितंबर को हुई बैठक को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन इससे कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया।

वांगचुक के मुताबिक, बैठक में चार महीने पहले लिए गए फैसलों को ही दोहराया गया।वांगचुक ने कहा कि उन्हें लगा कि नौ सितंबर की बैठक केवल समय हासिल करने और

10 सितंबर को लद्दाख में प्रस्तावित प्रमुख पदयात्रा को टालने की रणनीति थी। वे एक सप्ताह तक इस आश्वासन का इंतजार करेंगे कि लद्दाख को प्रभावित करने वाले कोई बड़े फैसले तब तक नहीं लिए जाएंगे, जब तक क्षेत्र में लोकतांत्रिक ढांचा स्थापित नहीं हो जाता।

सोनम वांगचुक ने कहा कि 'तब तक केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को लद्दाख के स्वरूप और भू-दृश्य को बदलने की कोशिशों पर रोक लगानी चाहिए। साथ ही क्षेत्र के वैध लोकतांत्रिक ढांचे को बहाल किया जाना चाहिए और प्रशासन को उस निकाय के साथ मिलकर काम करना चाहिए। ' वांगचुक ने सवाल उठाया कि यदि प्रशासन पहले ही एकतरफा तरीके से सब कुछ बदल देगा, तो भविष्य में चुनी जाने वाली विधानसभा की भूमिका ही क्या रह जाएगी।

मैंने ही नीट पेपर लीक कराए

सरगना संजीव ने ईओयू के सामने किया कबूल

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क.

पटना, 10 सितम्बर. नीट पेपर लीक मामले में इओयू की पूछताछ के दौरान सरगना संजीव मुखिया ने अपने गुनाह कबूल किए हैं. पूछताछ में उसने कई चर्चित भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में अपनी भूमिका स्वीकार की है.

संजीव ने 2017 नीट पेपर लीक, 2023 सिपाही भर्ती परीक्षा और बीपीएससी शिक्षक बहाली टीआरई 3 पेपर लीक में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया है. मालूम हो कि इओयू की जांच में पेपर लीक के पूरे नेटवर्क को लेकर उससे पूछताछ की जा रही है. एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि पेपर लीक की योजना कैसे तैयार गई. इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे और अभ्यर्थियों तक प्रश्नपत्र कैसे पहुंचाया जाता था. संजीव से अलग-अलग परीक्षाओं को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है. एजेंसी यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क में उसकी भूमिका कितनी बड़ी थी.

जमीन घोटले में टीएमसी सांसद सुमित गिरफ्तार

नवभारत न्यूज नेटवर्क

कोलकाता, 10 सितंबर. तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के पर्सनल सेक्रेटरी सुमित रॉय को सालबोनी जमीन मामले में सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया. सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के तुरंत बाद जांच एजेंसी ने कार्रवाई की. खास बात यह है कि सुमित रॉय की गिरफ्तारी उनके अपने आवास से नहीं, बल्कि अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर से हुई है.

सालबोनी जमीन घोटाले से जुड़े इस मामले में सुमित रॉय की गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के बाद हुई है. इससे पहले शीर्ष अदालत ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था.

सुनवाई के बाद उनकी अग्रिम जमानत की राह बंद हो गई और गुरुवार को सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. सुमित रॉय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 3 अगस्त के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी.

> सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिलने के बाद अब उन्हें शुक्रवार सुबह मेदिनीपुर अदालत में पेश किए जाने की संभावना है. सालबोनी जमीन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुमित रॉय की अग्रिम जमानत याचिका पर अहम सुनवाई हुई. पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जांच से जुड़े वित्तीय लेनदेन का मुद्दा अदालत के सामने रखा. जांच के दौरान सुमित रॉय के बैंक खाते में बड़ी मात्रा में नकद रकम जमा होने की जानकारी सामने आई है.

समुद्र में तैयार हो रहा भारत का 'न्यूक्लियर कवच'

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं. अगले कुछ सालों में यह 35 और बना सकता है, इस तरह यह संख्या 225 तक पहुंच सकती है. यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की नई रिपोर्ट में सामने आई है.

भारत समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है. परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के बेड़े के जरिए भारत समुद्र में अपना 'न्यूक्लियर कवच' बना रहा है. इन 190 परमाणु हथियारों में से 160 से ज्यादा मौजूदा मिसाइलों के लिए हैं, बाकी नई मिसाइलों के लिए तैयार रखे गए हैं. आने वाले समय में भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ सकती है.भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम था.

भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है. पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं. वहीं, कुछ नए हथियार सिस्टम अभी तैयार किए जा रहे हैं. 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम हासिल कर लेने का अनुमान है. इतने प्लूटोनियम से 225 तक वॉरहेड बनाए जा सकते हैं.

> हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है. एफएएस की रिपोर्ट में अग्नि-वि बेहतर बनाने का भी जिक्र है. कहा गया है कि इस मिसाइल में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया गया है. इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है. 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ.

परदेशी

97 फीसद डीएनए मनुष्यों से मिलता है ओडिशा में मिले ओरंगुटान वनमानुषों का, भारत कैसे पहुंचे पुलिस कर रही जांच

दिमाग इंसानों जैसा, औजार बनाने में माहिर

नवभारत न्यूज

भुवनेश्वर, 10 सितंबर. ओडिशा के बालासोर जिले में ओरंगुटान के 5 बच्चे मिलने के बाद वन विभाग के कान खड़े हो गए हैं. फिलहाल इन्हें भुवनेश्वर के नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क का खास मेहमान बनाया गया है. यहां पर क्वारंटाइन कर इनकी देखभाल की जा रही है.

डॉक्टरों की एक विशेष टीम इनकी निगरानी कर रही है. जो ओरंगुटान मिले हैं उनमें 3 नर और दो मादा हैं. सबसे ज्यादा हैरानी की बात इसलिए है क्योंकि ओरंगुटान का भारत से दूर दूर तक कोई नाता नहीं है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या तस्करी के लिए इन्हें लाया गया था. ओरंगुटान भारत के मूल निवासी नहीं है. ये इंडोनेशिया, मलेशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं. ओडिशा के वन एवं पर्यावरण मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया के मुताबिक 8 सितंबर को ये वनमानुष मिले थे. स्थानीय लोगों के मुताबिक इस इलाके में एक दिन पहले ही एक एसयूवी देखी गई थी. मामले की जांच वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो कर रह रहा है. ओडिशा पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स ने भी संयुक्त जांच शुरू कर दी. पता ये लगाया जा रहा है कि आखिर ये दुर्लभ वनमानुष भारत तक कैसे पहुंचे?

दुनिया का सबसे बुद्धिमान जीव

ओरंगुटान को धरती का सबसे बुद्धिमान जीव माना जाता है. इनका इंसानों से तकरीबन 97 प्रतिशत डीएनए मिला है. ये औजारों का इस्तेमाल करना सीख सकते हैं. ये बारिश से बचने के लिए पत्तों की छतरी बना सकते हैं, फल से छिलका उतारने के लिए पत्थर का प्रयोग कर सकते हैं.

बेहद खास होते हैं ओरंगुटान

ओरंगुटान शब्द इंडोनेशियाई भाषा के ओरंग और हुतान शब्द से बना है. ओरंग का मतलब होता है आदमी और हुतान जंगल को कहते हैं. यानी ओरंगुटान का अर्थ हुआ जंगल का आदमी यानी वनमानुष. ओरंगुटान की सिर्फ तीन प्रजातियां हैं, ये तीनों दक्षिण पूर्व एशिया के द्वीप इंडोनेशिया के बोर्नियो और सुमात्रा में पाई जाती हैं. इनमें इंडोनेशिया और मलेशिया के बीच बंटे बोर्नियो में बोर्नियन ओरंगुटान पाया जाता है, जिनकी संख्या एक लाख के आसपास है. वहीं सुमात्रा द्वीप के उत्तर में सुमात्रन ओरंगुटान पाए जा रहे हैं, जिनकी संख्या 13 हजार 800 से 14 हजार के बीच तक है. तीसरी प्रजाति है तापानुली ओरंगुटान जिसे 2017 में अलग प्रजाति घोषित किया गया है. यह सुमात्रा के साउथ में बटांग टोरू जंगल तक सीमित है, जिनकी संख्या 800 से भी कम है.